हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

12 जिले की मंडियों में 80 हजार 474 एमटी गेहूं व 306 एमटी सरसों की आवक दर्ज

12 सीएम के समक्ष नंबरदारों की समस्याएं उठाएंगे विधायक

DREAM STAKE

North 45
Sector 45 & 50
Bahadurgarh

Registration No. HRERA-PKL-JJR-841-2026

YOUR GATEWAY
TO PREMIUM ***PLOTTING***
RESORT LIVING

35 Min from
IGI Airport

15 minutes from
kharkhoda industrial area

12 Min Delhi
Amritsar katra

5 Min from
metro Bahadurgarh city

9919916400
9466236426

visit us :- dreamstakedevelopers.com

APPROVED RERA APPROVED

खबर संक्षेप

वरिष्ठ नागरिक 15 तक करवाएं पंजीकरण

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र ने बताया कि हरियाणा सरकार की

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत तख्त श्री हजूर साहिब नांदेड़, महाराष्ट्र के लिए पांच मई को कुरुक्षेत्र से विशेष ट्रेन संचालित की जाएगी। इस विशेष ट्रेन को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी झंडी दिखाकर प्रदेश के विभिन्न जिलों से जाने वाली संगत को रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिक, जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है और उनकी पारिवारिक आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए सरल हरियाणा पोर्टल पर 15 अप्रैल तक पंजीकरण किया जा सकता है।

सड़क हादसे का आरोपी टैंपो चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने सड़क हादसे के बाद मौके से फरार हुए एक टैंपो चालक को गिरफ्तार किया है। गत 6 फरवरी को थाना क्षेत्र में हुए हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। पुलिस ने इस मामले में गुरूग्राम के खलीलपुर निवासी प्रेमसुख को गिरफ्तार कर लिया। हादसे को अंजाम देने वाला टैंपो पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

कोर्ट से घोषित किया पीओ भेजा जेल

रेवाड़ी। पुलिस ने कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया। एक मामले में कोर्ट ने यूपी के बिजनौर निवासी मुस्तफा को बीते दिनों पीओ घोषित कर दिया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए गए थे। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी की तलाश शुरू की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेजने के आदेश जारी हुए।

अग्रवाल स्वागत भवन बेरी में लगाया शिविर

शिविर में 66 युवाओं ने किया रक्तदान

रक्त एकत्रण का कार्य नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट बाढ़सा के ब्लड बैंक से पहुंची डॉक्टर आइशा व नरेंद्र तंवर की टीम द्वारा किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शनिवार को अग्रवाल स्वागत भवन बेरी में गैर-सरकारी संस्था युवा जागृति एवं सामाजिक उत्थान मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मंच द्वारा आयोजित इस 54वें रक्तदान शिविर की शुरुआत मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित अग्रवाल वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने की। रक्त एकत्रण का कार्य नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट बाढ़सा के ब्लड बैंक से पहुंची डॉक्टर आइशा व नरेंद्र तंवर की टीम द्वारा किया गया। मुख्यातिथि ने बैज लगाकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा प्रकल्प है जहां हम किसी रोगी के उपचार में स्वतः सहयोगी बन जाते हैं। इस दौरान कुल 66 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

झज्जर। रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाते हुए अतिथि।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर संगठन के संयोजक तथा पूर्व पार्षद जय भगवान, अध्यक्ष दिनेश कुमार, अभय ऐरण, सोनू ऐरण, मनीष ऐरण, परम बंसल, सुनील रंगा, राजबाला, पंडित कृष्ण शर्मा, कृष्ण अवतार जिंदल, प्रवीण जांगड़ा, प्रदीप ऐरण, सुरेंद्र जिंदल, आशीष मित्तल, संदीप कंसल, बृजेश, गौरव चौहान, मनीष आहुजा, राहुल बंसल, प्रिंस ऐरण, रविंद्र बरवाल, मोहित, तनिष्क सिंघल, महेश खंडेलवाल, सुशीला शर्मा, काजल, पुष्पा, कमलेश, वासु कंसल, बिमला देवी, मीना बंसल, अग्रवाल सभा बेरी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय सिंघल आदि उपस्थित रहे।

परनाला में 183 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

बहादुरगढ़। शनिवार को गांव परनाला में हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित आजीविका महिला क्लस्टर संगठन ने मेदांता फाउंडेशन एवं आयुष विभाग के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर में कुल 183 मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कैंप में रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन, ईसीजी, फेफड़ों की जांच तथा छाती का एक्स-रे जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। अनुभवी चिकित्सकों ने मरीजों को संतुलित आहार, सही जीवनशैली तथा उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आयुष विभाग रामनगर की ओर से मरीजों को आयुर्वेदिक दवाइयां भी वितरित की गईं। योग सहायक सुशील देवी द्वारा ग्रामीणों को योगाभ्यास करवाया गया। सरपंच मुकेश अशोक राठी के सहयोग से आयोजित शिविर में डॉ. प्रियांश शर्मा, डॉ. रजत कुमार, समन्वयक जितेंद्र वर्मा, डॉ. हेमंत भादव, डॉ. अनुष्का अभय सिंह व योग सहायक सुशील देवी सहित पूरी टीम उपस्थित रही। खंड कार्यक्रम प्रबंधक जयशंकर ने बताया कि मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों को संगठित कर महिलाओं के स्वयं सहायता समूह बनाए जाते हैं। इस मौके पर नवीन, सरिता देवी, सचिव नीलम, अंजू, रेनू व सुदेश आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। आश्रम में रहने वाले लोगों की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

आश्रम में रहने वालों का स्वास्थ्य जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नूना माजरा में स्थित महाराजा अग्रसेन केदारनाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज और महाराजा अग्रसेन सत नारायण गुप्ता अस्पताल में गुरुग्राम की द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। आश्रम में रहने वाले बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मरीजों का गहन चेकअप किया, आवश्यक जांच की गई और उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। गंभीर स्थिति वाले कई मरीजों को बेहतर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती भी कराया गया।

राजेश गुप्ता व संजय गुप्ता ने सभी मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने अस्पताल की ओर से भविष्य में हर प्रकार की चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। फाउंडेशन अध्यक्ष जस कालरा ने हॉस्पिटल की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

विद्यार्थियों को दी पौष्टिक आहार की जानकारी

किड्ज शैशव और तिरंग इंटरनेशनल स्कूल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

विश्व स्वास्थ्य खाद्य दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को किड्ज शैशव व तिरंग इंटरनेशनल स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समाज को संतुलित आहार, स्वच्छ भोजन और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा स्वास्थ्यवर्धक भोजन पर आधारित सुंदर विचार, कविताएं एवं भाषण प्रस्तुत किए। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जंक फूड के हानिकारक प्रभावों से अवगत कराते हुए अधिक मात्रा में तले-भुने एवं पैकेट वाले खाद्य पदार्थों का सेवन न करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हरी सब्जियां, ताजे फल, दालें, दूध एवं अनाज हमारे शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करते हैं और हमें ऊर्जावान बनाए रखते हैं। इस दौरान पोस्टर मेकिंग, भाषण, वाद-विवाद, निबंध लेखन, टिफिन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्राचार्या आरती शर्मा ने कहा कि आज के समय में बदलती जीवनशैली के कारण लोग फास्ट फूड की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। हमें अपने आहार में पौष्टिक एवं स्वच्छ खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि वे बच्चों के खान-पान पर विशेष ध्यान दें और उन्हें घर का बना पौष्टिक भोजन प्रदान करें।

झज्जर। टिफिन प्रतियोगिता में घर से लाया पौष्टिक भोजन लेते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने लापता बच्ची को परिजनों से मिलवाई

बहादुरगढ़। पुलिस ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश करते हुए लापता बच्ची को सकुशल उसके परिजनों से मिलवाया। थाना प्रबंधक सेक्टर-6 जय भगवान ने बताया कि दिनांक दस अप्रैल को गांव सांखोल में करीब 15 वर्षीय एक बच्ची भटकती हुई मिली। ड्यूटी पर तैनात एसपीओ प्रवीण ने सतर्कता दिखाते हुए बच्ची को संभाला। पूछताछ के दौरान पता चला कि बच्ची घर से निकलकर रास्ता भटक गई और अपने परिजनों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ कर कुछ ही समय में बच्ची के परिजनों का पता लगा लिया गया। इसके बाद परिजनों को सूचित कर थाने बुलाया गया। बच्ची सकुशल पाकर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

छात्राओं व शिक्षिकाओं को सेक्सुअल हैरेसमेंट एक्ट संबंधी दी जानकारी

महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में हुई पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

महाराजा अग्रसेन महिला महाविद्यालय में शनिवार को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महिला प्रकोष्ठ एवं इंटरनल कंप्लेंट्स कमिटी प्रकोष्ठ प्रभारी डॉक्टर अनुपमा यादव ने बताया कि प्राचार्या डॉक्टर नीलम की अध्यक्षता में आयोजित प्रतियोगिता में 17 छात्राओं ने भाग लिया।

इस दौरान डॉक्टर अनुपमा यादव ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को सेक्सुअल हैरेसमेंट ऑफ वीमेन एट वर्कप्लेस एक्ट 2013 व यूनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन का सेक्सुअल हैरेसमेंट ऑफ वीमेन एम्प्लाइज एंड स्टूडेंट्स इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस 2015 से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की।

उन्होंने वीमेन हेल्पलाइन नंबर 181, इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट नंबर 112 और अन्य संबंधित नंबरों बारे भी छात्राओं को अवगत किया। इस मौके पर इंटरनल कंप्लेंट्स समिति सदस्य डॉक्टर नीतू जैन, डॉक्टर सोनिया गोयल, डॉक्टर चित्रलेखा, डॉक्टर महक, मीनाक्षी, पूजा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। होनहार प्रतिभागी महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों के साथ। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। कैंपस ड्राइव में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कैंपस ड्राइव में हुआ 17 विद्यार्थियों का चयन

बीटेक इंजीनियरिंग कंप्यूटर साइंस और बीसीए के 49 विद्यार्थियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

गंगा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कबलाना में शनिवार को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया।

ड्राइव का आयोजन बीटेक इंजीनियरिंग कंप्यूटर साइंस और बीसीए के 49 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कैंपस ड्राइव के अंतर्गत क्षेत्र की प्रसिद्ध कंपनी क्यूस्पाइडर्स गुरुग्राम के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों का साक्षात्कार लेते हुए उनकी योग्यता एवं कुशलता के आधार पर 17 विद्यार्थियों का चयन किया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर अमन अग्रवाल ने ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर डॉक्टर हितांशु सलूजा व प्रवीन कुमार के प्रयासों की सहराना की।

रेवाड़ी खेड़ा गांव में तीसरी बेटी के जन्म पर किया कुआं पूजन

समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक संदेश देने के उद्देश्य से मनाया उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव रेवाड़ी खेड़ा में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली, जहां ब्लॉक समिति सदस्य अजीत सिंह ने अपनी तीसरी बेटी के जन्म पर कुआं पूजन कर खुशी जाहिर की। समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक संदेश देने के उद्देश्य से इस आयोजन को उत्सव के रूप में मनाया गया।

जानकारी के अनुसार अजीत और उनकी पत्नी पूजा के घर इससे पहले 5 वर्षीय बेटी सनाया और 3 वर्षीय बेटी मानवी का जन्म हो चुका है। करीब 4 महीने पहले उनके घर तीसरी बेटी ने जन्म लिया, जिसे भी परिवार ने पूरे उत्साह और गर्व के साथ स्वीकार किया। साथ ही परिवार नियोजन को अपनाते हुए भविष्य में कोई और संतान न करने का निर्णय लिया। इस मौके पर आशा वर्कर नीलम देवी ने कहा कि बेटा और बेटी में किसी प्रकार का कोई अंतर नहीं है और समाज को इस सोच को अपनाना चाहिए। उन्होंने परिवार की इस पहल की सराहना करते हुए इसे दूसरों के लिए भी प्रेरणादायक बताया।

बहादुरगढ़। तीसरी बेटी के जन्म पर कुआं पूजन करती पूजा व अन्य। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान शिमला में उपस्थित विद्यार्थी व शिक्षक।

शैक्षणिक भ्रमण में विद्यार्थियों ने की शिमला की सैर

झज्जर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन टीचर एजुकेशन के विद्यार्थियों को पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण में शामिल आठवें समेस्टर के विद्यार्थियों ने चंडीगढ़, शिमला, कुफरी आदि महत्वपूर्ण स्थलों की यात्रा की। चंडीगढ़ के रॉक गार्डन में विद्यार्थियों ने जहां व्यर्थ चीजों के महत्व को सीखा, वहीं शिमला के भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान से विद्यार्थियों ने शोध विषय से संबंधित जानकारी हासिल की। पर्वतीय क्षेत्र में वृक्षों, वनस्पतियों की पहचान व अन्य जियोलोजिकल तथ्य भी विद्यार्थियों से साझा किए गए। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ संस्थान के प्रवक्ता लोकेश, सतपाल, मोनिका, डॉ. रीना फोगाट आदि उपस्थित रहे।

आंबेडकर चौक बनाने के लिए सौंपा ज्ञापन

बहादुरगढ़। संत कबीर बस्ती संघर्ष समिति ने शनिवार को नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी के कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर पावर हाउस के सामने स्थित चौक को आंबेडकर चौक नाम देकर उसका निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की गई। उनके पति रमेश राठी को मांगपत्र सौंपकर कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। समिति अध्यक्ष प्रदीप कुमार, उपाध्यक्ष मोहित, महासचिव विजय, सचिव अजय, सलाहकार सतीश सरसार, कर्मबीर, संजय किराड़, कोषाध्यक्ष शिवकुमार, सुमित टांक, राजपाल प्रधान व राजेंद्र आदि ने बताया कि कॉलोनी में कई जरूरी सुविधाओं का अभाव है। जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि नगर परिषद की हाउस बैठक में पहले ही बिजली पावर हाउस के सामने वाले चौक को आंबेडकर चौक बनाने का प्रस्ताव पारित हो चुका है, लेकिन अब तक उस पर कार्रवाई नहीं हुई। जल्द निर्माण कार्य शुरू कराया जाए।

बहादुरगढ़। रमेश राठी को ज्ञापन सौंपते समिति पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। पीटीएम में विद्यार्थियों के विकास पर चर्चा करते शिक्षक व अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

छारा कॉलेज में शिक्षकों से रूबरू हुए अभिभावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

छारा के चौधरी हरद्वारी लाल राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्या डॉ. सविता पुनिया के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार को शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन हुआ। बीए, बीकॉम व बीएससी में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों ने शिक्षकों से भेंट कर विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति एवं उनके सर्वांगीण विकास पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की पीटीएम समिति के प्रभारी डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. मनोज कुमार, मंजू मलिक, डॉ. गोविंद, डॉ. रेखा व डॉ. अनुराग द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि जब अभिभावक और शिक्षक मिलकर कार्य करते हैं, तभी विद्यार्थी का समग्र एवं श्रेष्ठ विकास संभव होता है। डॉ. अनीता दलाल ने बताया कि विद्यार्थियों की शिक्षा, अनुशासन एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अभिभावकों और शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए बैठक की गई। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी बैठकों से उन्हें अपने बच्चों की पढ़ाई और प्रगति की प्रत्यक्ष जानकारी मिलती है। साथ ही ऐसी बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर डॉ. संजय देसवाल, देवेंद्र, मोनिका, गीतांजलि, ज्योति, डॉ. ललिता, डॉ. रिदम, विजय आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आधारभूत साक्षरता एवं गणितीय क्षमता में उल्लेखनीय प्रगति हुई

नवाचारों से संपर्क फाउंडेशन ने बदली कक्षाओं की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

संपर्क फाउंडेशन ने शिक्षा क्षेत्र में लाए गए नवाचारों से कक्षाओं की तस्वीर बदलने का काम किया है। फाउंडेशन के बीस वर्ष पूर्ण होने पर जिले में एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी रतिंद्र सिंह, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजबाला मलिक और जिला निपुण समन्वयक डॉक्टर सुदर्शन पूनिया विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पिछले नौ वर्षों से फाउंडेशन हरियाणा विद्यालय शिक्षा विभाग के साथ कार्यरत है। फाउंडेशन द्वारा स्कूलों को टीएलएम किट, संपर्क स्मार्ट शाला और संपर्क टीवी जैसे अत्याधुनिक तकनीकी नवाचार उपलब्ध कराए गए। निपुण भारत अभियान के अंतर्गत आधारभूत साक्षरता एवं गणितीय क्षमता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। संपर्क के जिला समन्वयक अमित कुमार ने जिले के सभी जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारियों के द्वारा सहयोग के लिए मोमेंटो तथा फाउंडेशन संस्थापकों के स्वहस्ताक्षरित आभार-पत्र भेंट किए। जिला शिक्षा अधिकारी रतिंद्र सिंह ने कहा कि संपर्क फाउंडेशन के नवाचार शिक्षा को नई दिशा दे रहे हैं। ये नवाचार शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हुए हैं। इस दौरान वक्ताओं ने फाउंडेशन संस्थापक विनीत नायर एवं अनुपमा नायर के योगदान की सराहना भी की।

झज्जर। निपुण जिला समन्वयक सुदर्शन पूनिया को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए संपर्क फाउंडेशन के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

डॉग बाइट के मामलों में हो रहा इजाफा तीन माह में 800 लोगों को बनाया शिकार

एक ही दिन में 16 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले में डॉग बाइट के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। पिछले तीन माह के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो कुत्तों द्वारा करीब 800 लोगों को अपना निशाना बनाया जा चुका है। यदि केवल शनिवार की बात करें तो दिनभर में डॉग बाइट के शिकार कुल 16 लोगों को इंजेक्शन लगाया गया। नागरिक अस्पताल की फार्मेसी अधिकारी शालू रानी ने बताया कि उनके यहां कुत्ते, बंदर, बिल्ली, चूहा, गीदड़, सुअर आदि जानवरों द्वारा काटे जाने के संबंध में लोगों का टीकाकरण किया जाता है। पहले के समय में बंदरों के काटने के मामले अधिक रहे थे वहीं अब कुत्तों द्वारा लोगों को काटकर घायल करने संबंधी मामले आ रहे हैं। पिछले तीन माह में की बात की जाए तो डॉग बाइट के 813 मामले आए जबकि बंदर के 72, बिल्ली के 42 व अन्य जानवरों द्वारा काटे जाने के 21 मामले अस्पताल पहुंचे। कुत्तों या अन्य जानवरों द्वारा काटे जाने के संबंध में तीन कैटेगरी शामिल हैं। पहली में जहां व्यक्ति के शरीर पर केवल लार छोड़ने के निशान हो, दूसरी कैटेगरी में व्यक्ति के शरीर पर केवल खरौंच लगी है तथा हल्के निशान हैं। इसके अलावा तीसरी कैटेगरी में व्यक्ति के शरीर पर जानवर के काटे जाने के निशान के साथ-साथ उसके शरीर से खून का रिसाव होना शामिल हैं। यदि तीसरी कैटेगरी की बात की जाए तो जनवरी माह में 152, फरवरी माह में 173 तथा मार्च माह में 149 लोग ऐसे रहे जिन्हे जानवरों द्वारा निशाना बनाया जाने के बाद उनके शरीर से खून का रिसाव भी हुआ था।

झज्जर। नागरिक अस्पताल में डॉग बाइट के शिकार व्यक्ति को टीका लगाते हुए स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

पालतू कुत्ते भी बना रहे लोगों को निशाना

गली के आवारा कुत्ते जब किसी व्यक्ति को काटे तो अलग बात होती है लेकिन आजकल पालतू कुत्ते भी अपने घर के सदस्यों व घर में पहुंचने वाले मेहमानों को काट रहे हैं। इसी वर्ष जनवरी में आए 285 मामलों में से 206 मामलों में जहां स्ट्रीट डॉग द्वारा लोगों को निशाना बनाया गया वहीं 79 मामलों में पालतू कुत्ते शामिल रहे। इसी प्रकार फरवरी माह में 203 मामलों में स्ट्रीट डॉग व 81 मामलों में पालतू, मार्च माह में 171 स्ट्रीट डॉग व 74 मामलों में पालतू कुत्तों की भूमिका रही।

शहर की बजाय गांवों के मामले अधिक

जानवरों द्वारा काटे जाने के मामलों में शहर की बजाय गांव संबंधी मामले अधिक संख्या में अस्पताल पहुंच रहे हैं। शायद इसका एक मुख्य कारण गांव व कस्बों में स्थित पीएचसी अथवा सीएचसी पर इजेक्शन की उपलब्धता न होना भी है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार बीते जनवरी माह 118 मामले शहर के व 201 मामले गांवों से संबंधित रहे। इसी प्रकार फरवरी में 98 शहर व 243 गांव, मार्च माह में 76 मामले जहां शहर से संबंधित रहे वहीं 213 मामले गांव से संबंधित रहे।

मीट की दुकानों पर सख्ती से कार्रवाई की मांग

बहादुरगढ़। मीट की अवैध दुकानों पर नोटिस दिए जाने की कार्रवाई पर जीव प्रेमियों ने संतोष जताया है और साथ ही शहर के अन्य हिस्सों व आसपास लगते गांवों में मौजूद अन्य दुकानों पर भी कार्रवाई की मांग उठाई है। बहादुरगढ़ के लाइनपार, छोटूराम नगर झज्जर रोड, बागवाला मोहल्ला, कबाड़ी मार्केट, कबीर बस्ती सहित कई जगहों पर अवैध मीट की दुकानें हैं। बहुत सी दुकानों में तो मौके पर ही मुर्गी, बकरे आदि जीवों को काटा जाता है। शुक्रवार को नगर परिषद ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए 19 दुकान संचालकों को नोटिस देकर तीन दिन का समय दिया है। वहीं, जीव प्रेमी आशीष, मनजीत आदि का कहना है कि मुर्गी, मछली व अन्य जीवों में भी जान है, उनको भी दर्द होता है। आपकी फूड चॉइस किसी की जिंदगी नहीं हो सकती। जीव हत्या बंद होनी चाहिए। राजेश व शिव ने कहा कि नाहरा नाहरी फ्लाईओवर के पास भी मीट की दुकानें हैं। मंगल मिश्रा ने कहा कि छोटूराम नगर के काफी संख्या में मीट की दुकाने हैं। इसके अलाव शहर में कुछ अन्य जगहों तथा आसपास लगते गांवों में भी ऐसी स्थिति है। लोगों का कहना है कि मीट की दुकानों के आसपास दुर्गंध भरा माहौल रहता है। वहां से निकलना भी मुश्किल हो जाता है। आबादी के बीच पशुओं को काटना और बेचना, मांस न खाने वाले लोगों की मनोदशा पर बुरा असर डालता है। विशेषकर बच्चे अधिक प्रभावित होते हैं।

अमन गोल्ड तो दिनेश ब्रांज के लिए उतरेंगे मैट पर

सीनियर एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में दिखायेंगे दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

अमन सहरावत दिनेश धनखड़

किर्गिस्तान में चल रही सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में जिले के पहलवानों का शानदार प्रदर्शन जारी है। ओलंपियन पहलवान अमन सहरावत ने अपने तमाम मुकाबले जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। हालांकि हेवीवेट पहलवान दिनेश धनखड़ सेमीफाइनल में चूंक गए लेकिन ब्रांज की उम्मीदें बरकरार हैं। अब रविवार को दोनों मैट पर उतरेंगे।

छह अप्रैल से शुरू हुई इस चैंपियनशिप में शनिवार को अमन व दिनेश मैट पर उतरे। पहलवान अमन सहरावत ने 61 किलोग्राम फी स्टाइल भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में कोरिया के चांगसु किम पहलवान को 11-0 के अंतर से एकतरफा हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल में ईरान के पहलवान अहमद मोहम्मदनेजहादजावन के साथ कड़ी टक्कर हुई और अंत में 11-9 के अंतर से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। इसी तरह हेवीवेट 125 किलोग्राम भारवर्ग में दिनेश धनखड़ ने क्वालीफिकेशन राउंड में जापान के ताइकी यामोटो को 11-0 से हराया। फिर क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान के हसनबाय रखिमोव को 10-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

सेमीफाइनल में बहरीन के शामिल मैगोमेड ए शारीपोव से मुकाबला हुआ। इस लो स्कोरिंग मैच में दिनेश 2-0 के अंतर से चूंक गए। हालांकि अभी उनके पास ब्रांज मेडल जीतने का अवसर है। अब ये दोनों पहलवान रविवार को फाइनल खेलने उतरेंगे। ओलंपिक मेडलिस्ट अमन सहरावत झज्जर जिले के गांव बिरोहड़ से हैं। ओलंपिक के अलावा वर्ल्ड चैंपियनशिप एशियन चैंपियनशिप सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का परचम लहरा चुके हैं। वहीं दिनेश धनखड़ गांव गोयला कलां से हैं।

इतिहास विषय की नेट परीक्षा में हिमानी ने पाई सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

राजकीय महाविद्यालय बिरोहड़ में शनिवार को सम्मान समारोह का आयोजन कर होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशासनिक प्राचार्य डॉक्टर सुरेंद्र सिंह ने की। इतिहास विभाग के संकाय सदस्य जितेंद्र ने बताया कि दिसंबर 2025 की यूजीसी परीक्षा में छात्रा हिमानी ने इतिहास विषय में नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इनके अलावा मुस्कान एमए प्रथम वर्ष, पूर्व छात्रा डिम्पल तथा विकास एमए द्वितीय वर्ष ने भी पीएचडी में प्रवेश के लिए परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय की गौरवपूर्ण परंपरा को आगे बढ़ाया। सभी होनहार विद्यार्थियों को महाविद्यालय द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रशासनिक प्राचार्य डॉक्टर सुरेन्द्र सिंह ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करने तथा सहायक प्रोफेसर पद पर चयनित होने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉक्टर रश्मि, डॉक्टर अजय कुमार व अजय सिंह ने भी विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम और समर्पण की सराहना की।

झज्जर। होनहार छात्रा को सम्मानित करते हुए प्राचार्य डॉक्टर सुरेंद्र सिंह।

न्यूनतम वेतन बढ़ने से उद्योगों के पलायन की आशंका

बहादुरगढ़। बैठक में न्यूनतम वेतन पर चर्चा करते कोबी पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

■ कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज ने सरकार से संज्ञान लेने का किया अनुरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज ने हरियाणा सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन में लगभग 35 प्रतिशत की अचानक वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त की है। न्यूनतम वेतन को 11 हजार 257 रुपये से बढ़ाकर 15 हजार 200 प्रतिमाह कर दिया गया है। इसका वास्तविक प्रभाव केवल वेतन वृद्धि तक सीमित नहीं रहेगा। बल्कि ईपीएफ, ईएसआई, बोनस, ग्रेच्युटी आदि वैधानिक देनदारियों को जोड़ने पर प्रति कर्मचारी लगभग 7 हजार तक का अतिरिक्त वित्तीय बोझ उद्योगों पर पड़ेगा। कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, उपाध्यक्ष विपिन बजाज, महासचिव प्रदीप कौल, संयुक्त सचिव सुरेंद्र वशिष्ठ, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार मित्तल आदि ने इस पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में इस प्रकार का एकमुश्त निर्णय उद्योगों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण सिद्ध होगा। एक ओर जहां कच्चे माल की कीमतों में निरंतर वृद्धि हो रही है, वहीं वैश्विक परिस्थितियों के कारण आपूर्ति श्रृंखला भी प्रभावित है। सरकार द्वारा इस प्रकार का अचानक 35 प्रतिशत वेतन वृद्धि का निर्णय उद्योगों पर सीधी मार है। बिना किसी पूर्व विचार-विमर्श के इतनी बड़ी वृद्धि छोटे उद्योगों के लिए भारी आर्थिक बोझ साबित होगी, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अन्य राज्यों की तुलना में हरियाणा में न्यूनतम वेतन अब काफी अधिक हो गया है, जिससे राज्य की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा प्रभावित होगी। ऐसी स्थिति में यदि उद्योग हरियाणा से पलायन करने के लिए मजबूर होते हैं, तो इसका सीधा प्रभाव राज्य के औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार पर पड़ेगा। इस प्रकार की वृद्धि को चरणबद्ध लागू किया जाना चाहिए था, जिससे उद्योगों पर अचानक आर्थिक दबाव न पड़े और वे स्वयं को इस परिवर्तन के अनुसार ढाल सकें। कोबी ने प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री को पत्र लिखकर इसका संज्ञान लेने का अनुरोध किया।

न्यूनतम वेतन बढ़ोतरी पर उद्योग जगत ने जताई चिंता

■ बीसीसीआई और एफपीए ने सरकार से पुनर्विचार करने की लगाई गुहार

बहादुरगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तावित न्यूनतम वेतन में वृद्धि को लेकर बहादुरगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री तथा फुटवियर पार्क एसोसिएशन ने चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री और श्रम विभाग को ज्ञापन भेजा है। संगठन ने वेतन वृद्धि के निर्णय पर पुनर्विचार और इसे संतुलित तरीके से लागू करने की मांग की है। बीसीसीआई अध्यक्ष सुभाष जग्गा ने बताया कि उद्योग जगत श्रमिकों को उचित वेतन देने के पक्ष में है, लेकिन प्रस्तावित बढ़ोतरी की मात्रा और समय वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में पहले से ही न्यूनतम वेतन पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश और राजस्थान की तुलना में काफी अधिक है, जिससे राज्य की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। ज्ञापन में उद्योगों की ओर से कई प्रमुख चिंताएं उठाई गई हैं। इनमें बढ़ते वेतन के कारण उत्पादन लागत में भारी वृद्धि, एमएसएमई सेक्टर पर अतिरिक्त दबाव, रोजगार के अवसरों में कमी की आशंका और निवेश के अन्य राज्यों की ओर पलायन जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा, कच्चे माल की बढ़ती कीमतों, सप्लाई चेन की समस्याओं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच यह निर्णय उद्योगों के लिए और चुनौतीपूर्ण बताया गया है। नरेंद्र छिकारा और विकास आनंद सोनी ने सरकार को सुझाव दिया है कि वेतन वृद्धि को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए, उद्योग प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की जाए और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए विशेष राहत उपाय दिए जाएं। साथ ही लघु एवं मध्यम इकाइयों के लिए प्रोत्साहन पैकेज पर भी विचार करने की मांग की गई है। संगठन ने सरकार से इस मुद्दे पर उद्योग जगत को अपना पक्ष रखने का अवसर देने की अपील भी की है।

कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में किया मार्गदर्शन

■ कार्यक्रम में डीएवी स्कूल और सेंट सोल्जर स्कूल के लगभग 70 शिक्षकों ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सीबीएसई के तत्वावधान में डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल में अध्यापकों के लिए एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आदर्श मूल्य और नैतिकता विषय पर आयोजित सीबीपी में शिक्षकों को छात्रों में नैतिकता, मूल्यों एवं चरित्र निर्माण के प्रति जागरूक एवं सक्षम नागरिक बनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राजदीप कुलश्रेष्ठ ने मुख्य अतिथि सपना बहल, हर्षा शर्मा और मधु दहिया के साथ दीप प्रज्ज्वलन व गायत्री मंत्र के साथ किया। मंच संचालन शालू शर्मा ने किया। हर्षा शर्मा और सपना बहल ने विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को नैतिक मूल्यों को कक्षा शिक्षण में समाहित करने के प्रभावी तरीकों से अवगत कराया। विशेषज्ञों द्वारा जीवन कौशल, सहानुभूति, ईमानदारी, जिम्मेदारी एवं सामाजिक मूल्यों जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही गतिविधि-आधारित शिक्षण एवं केस स्टडी के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया।

प्रिंसिपल राजदीप कुलश्रेष्ठ ने वर्तमान समय में नैतिक शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षकों की भूमिका केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि वे छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डीएवी स्कूल और सेंट सोल्जर स्कूल के लगभग 70 शिक्षकों ने भाग लिया।

बहादुरगढ़। शिक्षकों का मार्गदर्शन करती सीबीएसई द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

छात्राओं ने एड्स व टीबी को लेकर किया जागरूक

■ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने व समाज में व्याप्त भेदभाव और भ्रांतियों को समाप्त करने की शपथ ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के निर्देशानुसार 7 से 14 अप्रैल तक रेड रिबन क्लब के तत्वावधान में एचआईवी एड्स व टीबी जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस दौरान छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता, एचआईवी/एड्स तथा टीबी जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया। जागरुकता सप्ताह के पहले छात्राओं ने एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में व्याप्त भेदभाव और भ्रांतियों को समाप्त करने की शपथ ली। दूसरे दिन प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा द्वारा एड्स व टीबी विषय पर एक विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उन्होंने छात्राओं को इन बीमारियों के कारण, लक्षण, संक्रमण के तरीके, बचाव के उपाय तथा उपलब्ध उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। तीसरे दिन एचआईवी पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता तथा टीबी पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता हुई। चौथे दिन वेबसाइट के माध्यम से शैक्षणिक एनीमेटेड वीडियो का प्रदर्शन किया गया। पांचवे दिन छात्राओं ने रेड रिबन का चिह्न बनाया। एचआईवी संबंधित विभिन्न मोबाइल एप्स डाउनलोड करवाए गए। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एवं हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

बहादुरगढ़। रेड रिबन का चिह्न बनाती वैश्य बीएड कॉलेज की छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 26 अप्रैल को हाफ मैराथन होगी

कृष्ण बधवार बने जो जीता वही सिकंदर खिताब के विजेता

■ बच्चों की श्रेणी में हर्षित, यश लकेरा और अनुपमा ने शानदार प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के सेक्टर-9 बाईपास पार्क स्थित बीआरजी प्वाइंट पर प्रोमो रन आयोजित की गई। समूह संचालक दीपक छिल्लर की अगुवाई में यह प्रोमो रन फार्मली स्नैक रन 2026 हाफ मैराथन के प्रचार-प्रसार के लिए हुई। इस दौरान 21 दिवसीय जो जीता वही सिकंदर वर्चुअल रनिंग चैलेंज के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। कर्नल कृष्ण बधवार ने बीआरजी का जो जीता वही सिकंदर खिताब जीता।

कार्यक्रम की शुरुआत में शनिवार सुबह साढ़े 5 बजे प्रवीन सांगवान ने वार्मअप करवाया। इसके बाद धावकों को दौड़ के लिए रवाना किया गया। जितेंद्र आर्य ने अपनी टीम के साथ धावकों का उत्साहवर्धन किया। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 26 अप्रैल को हाफ मैराथन होगी। पुरुष वर्ग में कर्नल कृष्ण बधवार प्रथम, सेवा राम द्वितीय तथा देवेंद्र किशोर प्रसाद तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में अमृता सिन्हा विजेता रहीं, जबकि नीलिमा ने दूसरा और उरिरेई देवी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में रणबीर सांगवान ने पहला, नवनीत सिंह ने दूसरा तथा आरके मोर तीसरे स्थान पर रहा। बच्चों की श्रेणी में हर्षित, यश लकेरा और अनुपमा ने शानदार प्रदर्शन किया। विशेष बच्चों की श्रेणी में रेयांश ताक को सम्मानित किया गया। प्रेरणादायक प्रदर्शन के लिए एनके शर्मा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। ईश्वंती देवी, धर्मवीर, गुलाब सिंह और संतोष बंसल को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों के लिए लक्की ड्रॉ के माध्यम से टी-शर्ट्स वितरित की गईं।

बहादुरगढ़। परिणाम घोषित करने के बाद बीआरजी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

प्रोमो रन में ये शामिल रहे

प्रोमो रन में शक्ति राणा, मनीष कुमार, अनुपमा, वर्षा, धर्मवीर सैनी, आशुतोष कुमार सिंह, अंकित रोहतकिया, मेजर कुलवंत सिंह, नवनीत सिंह, रविंद्र मलिक, प्रमोद कुमार, नीरज राठी, विकास राठी, आकाश कुमार, राजकुमार खत्री, सोमदेव मलिक, रचित दलाल, संदीप रोजझवाल, जितेंद्र गौतम, निरंजन, गुलाब सिंह, निकुंज, मुन्नी देवी, सुनील कुमार, गौरव, विनोद राठी, एनके नारा, गोपाल सैनी, पार्थ सैनी, नरेंद्र लाठवाल, सुरेंद्र दलाल, जगजीत राठी, मुकेश कुमार, यश लकेरा, हर्षित पंवार, सीमा पंवार, रणबीर सांगवान, सत्यवान, दक्ष, सुरेंद्र कुमार, सुशील कुमार, नरेश लकेरा, रविंद्र दहिया, अतुल डांगी, अनूप सिंह, विमलेश, बिमला सतीश, सोनिया, मुन्ना, मीनाक्षी दुबे, विनीत कुमार सिंह, प्रजीत सिंह, विदित सिंह, धर्मवीर यादव, नरेंद्र, ध्रुवित गोदारा, ईश्वंती देवी, संतोष बंसल और ब्रह्मप्रकाश मान शामिल रहे।

स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी की स्मृति में कवि सम्मेलन 1 मई को

रेवाड़ी। शहर के गढ़ी बोलनी रोड स्थित सोमाणी कॉलेज में स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी की जयंती पर एक मई को कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। कॉलेज के प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

फुले को भारत रत्न देने की मांग

बहादुरगढ़। संसद परिसर में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई शीर्ष नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने की। भाजपा नेता जसबीर सैनी ने आयोजन का स्वागत करते हुए फुले को भारत रत्न देने, उनकी जयंती-पुण्यतिथि पर अवकाश घोषित करने, शिक्षण संस्थानों व स्थानों का नामकरण उनके नाम पर करने और योजनाओं से जोड़ने की मांग उठाई। साथ ही हरियाणा में ओबीसी वर्ग को अधिक प्रतिनिधित्व देने की बात कही।

कार्यालय नगर परिषद, बहादुरगढ़

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजबाला (पत्नी) प्रवीन (पुत्र) प्रियंका (पुत्री) W/o S/o D/o स्व. रवि प्रकाश निवासी कच्चा बाग बहादुरगढ़ (0187819099) द्वारा ऑनलाइन एनडीसी पोर्टल पर प्रॉपर्टी आईडी नंबर-3BND8HQ7 वार्ड नंबर-15/137 कॉलोनी कच्चा बाग, जो कि नगर परिषद बहादुरगढ़ प्रॉपर्टी टैक्स रिकार्ड में श्याम/रविप्रकाश के नाम दर्ज है। रवि प्रकाश की मृत्यु उपरांत अब नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में उक्त आईडी नंबर पर प्रार्थी वसीयत/वारसान प्रमाण पत्र के आधार पर अपना नाम तबदील करवाना चाहते हैं, जिसकी वसीयत/वारसान प्रमाण पत्र तहसीलदार बहादुरगढ़ द्वारा तसदीक नहीं की गई है।

अतः आम व खास को इस नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति नंबर-3BND8HQ7 वार्ड नंबर-15/137 कॉलोनी कच्चा बाग पर यदि कोई अन्य हकदार है या उक्त संपत्ति पर किसी को आपत्ति है तो वह सबूतों सहित इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिन के अंदर अंदर नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय में आकर अपना दावा पेश करें। अन्यथा इस नोटिस का समय समाप्त होने पर यह संपत्ति नंबर-3BND8HQ7/157 वर्ग गज प्रार्थी राजबाला (पत्नी) प्रवीन (पुत्र) प्रियंका (पुत्री) W/o S/o D/o स्व. रवि प्रकाश के नाम से नगर परिषद बहादुरगढ़ के रिकार्ड में दर्ज कर दी जाएगी। जिसमें नगर परिषद बहादुरगढ़ की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

हस्ता/-कार्यकारी अधिकारी, नगर परिषद बहादुरगढ़।

खबर संक्षेप

मातनहेल में सम्मान समारोह आज

झज्जर। क्षेत्र के गांव मातनहेल निवासी एकांश ढुल ने यूपीएससी परीक्षा में देशभर में तीसरा स्थान हासिल कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर जहां परिवार में खुशी का माहौल हैं वहीं गांव व जिले में भी हर्ष व्याप्त है। एकांश ढुल के पिता कृष्ण ढुल ने बताया कि एकांश के सम्मान में रविवार को गांव में समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में जिला प्रशासनिक अधिकारियों के अलावा प्रबुद्धजन एकांश ढुल को आशीर्वाद देने के लिए शामिल होंगे। इस संबंध में सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है।

निमाणा गांव में सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता आज

झज्जर। क्षेत्र के गांव निमाणा में ग्रामवासियों द्वारा रविवार को दादा दामोदर दास सर्कल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में जिले के साथ-साथ अन्य निकटवर्ती जिलों की टीमें भी भाग लेंगी। प्रथम विजेता टीम को जहां 1 लाख 11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया जाएगा वहीं द्वितीय रहने वाली टीम को 71 हजार, तृतीय व चतुर्थ स्थान हासिल करने वाली टीमों को 21-21 हजार रुपये तथा पंचम से आठवां स्थान हासिल करने वाली टीमों को 11-11 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। कबड्डी प्रतियोगिता में बादली के विधायक कुलदीप वत्स मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इसके अलावा नामी पहलवानों व खेल प्रेमियों को भी आमंत्रित किया गया है।

घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी पर सख्ती

झज्जर। जिले में खाद्य एवं पूर्ति विभाग का घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और कालाबाजारी को रोकने के लिए चेकिंग अभियान लगातार जारी है। विभाग की जांच टीमों द्वारा दुकानों, ढाबों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की जा रही है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक राजेश्वर मुदगिल ने बताया कि जिले में 26 गैस एजेंसियां कार्यरत हैं, जो प्रतिदिन औसतन 75सौ घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति उपभोक्ताओं तक सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला में गैस सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

अनाज मंडियों में गेहूं की आवक प्रतिदिन बढ़ रही

जिले की मंडियों में 80 हजार 474 एमटी गेहूं व 306 एमटी सरसों की आवक दर्ज

- अधिकारियों को खरीदी गई उपज के उठान की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले की अनाज मंडियों में गेहूं की आवक दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। जिसके कारण अनाज मंडियों में गेहूं की ऊंची ऊंची ढेरियां लगी हुई है और अनाज मंडी परिसर छोटे पड़ने लगे है। स्थानीय अनाज मंडी में गेहूं की ढेरियों को जेसीबी की सहायता से ऊपर करवाया जा रहा है। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने कहा कि जिले में रबी सीजन की सरसों व गेहूं खरीद के उपरांत उठान भी बेहद जरूरी है। इसके लिए जिला भर की मंडियों में गेहूं उपज की लिफ्टिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खरीदी गई उपज के उठान की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि जिले की मंडियों में 80 हजार 474 एमटी गेहूं की आवक दर्ज की गई है और अब तक 30 हजार 134 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई है। उन्होंने खरीद कार्य से जुड़े अधिकारियों व एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे किसानों को तय समय सीमा में भुगतान के साथ ही खरीदी गई उपज की लिफ्टिंग कार्य साथ साथ पूरा कराएं ताकि मंडियों में जगह की समस्या न हो।

शनिवार को स्थानीय अनाजमंडी में पहुंचा 48449 क्विंटल गेहूं

जिले की अनाजमंडियों में गेहूं की आवक जोरों पर है। शनिवार को स्थानीय अनाजमंडी में 48449 क्विंटल गेहूं पहुंचा। मंडी सुपरवाइजर रणदीप सिंह ने बताया कि कुल 769 किसानों के गेट पास बनाए गए। अभी तक मंडी में कुल 6968 गेट पास के माध्यम से कुल 417856 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। जिसमें से 110500 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है। उन्होंने बताया कि खरीद के साथ-साथ फसल का उठान भी किया जा रहा है। अभी तक कुल 29000 क्विंटल गेहूं की फसल का उठान हो चुका है।

आवक तेज, लेकिन खरीद उठान प्रक्रिया धीमी

बहादुरगढ़। नमी दूर करने के लिए मंडी में फैलाई गई फसल।

हरिभूमि न्यूज. बहादुरगढ़

अनाज मंडियों में गेहूं की आवक लगातार बढ़ रही है, हालांकि खरीद और लिफ्टिंग की रफ्तार में अभी भी अंतर बना हुआ है। शनिवार को बहादुरगढ़ अनाज मंडी में 20 गेट पास जारी किए गए, जिसके तहत 875 क्विंटल गेहूं की आवक दर्ज हुई। वहीं आसौदा मंडी में 160 गेट पास के जरिए 7905 क्विंटल गेहूं पहुंचा।

अब तक दोनों मंडियों में कुल 64 हजार 302 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। इसके मुकाबले 30 हजार 785 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है, जिससे साफ है कि अभी काफी मात्रा में गेहूं की खरीद बाकी है। लिफ्टिंग की स्थिति पर नजर डालें तो बहादुरगढ़ मंडी में अब तक महज 885 क्विंटल गेहूं का उठान हुआ है, जबकि आसौदा मंडी में 10 हजार 476 क्विंटल की लिफ्टिंग दर्ज की गई है। मंडी में बढ़ती आवक के बीच किसानों को समय पर खरीद और उठान की उम्मीद है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

फसल खरीद के नए नियमों के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा ने किया प्रदर्शन

झज्जर। गुरुग्राम रोड पर विरोध प्रदर्शन करते हुए संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं सदस्य।

- किसान नेताओं ने कहा कि राहत देने की बजाय परेशान करने का काम कर रही सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हरियाणा संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान पर विभिन्न किसान संगठनों के कार्यकर्ताओं व समर्थकों द्वारा अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। किसानों ने गुरुग्राम रोड पर धरना प्रदर्शन कर रबी फसलों की खरीद पर लगाई गई शर्तों और नये नियमों का विरोध जताया। उन्होंने सरकार विरोधी जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। संयुक्त किसान मोर्चा की नेशनल कॉर्डिनेशन कमेटी सदस्य जयकरण मांडौठी, सुनील कुमार व दिलबाग दलाल ने कहा कि फसलों की खरीद पर लगाई गई बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी शर्तों से किसानों को परेशानी हो रही है, इन्हें तुरंत वापस लिया जाए। कैप्टन सतबीर सिंह माजरा व ममता कादियान ने बताया कि बीजेपी सरकार ने जो नई बायोमेट्रिक पहचान की शर्तें लागू की है वह किसान विरोधी हैं। सतबीर सिंह दहिया व जगबीर सिंह ने कहा कि नई शर्तों से फसल खरीद में देरी, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की खामियां और तकनीकी दिक्कतों के कारण किसान परेशान हैं। सरकार किसानों को राहत देने की बजाय उन्हें परेशान करने का काम कर रही है। बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, ट्रैक्टर रजिस्ट्रेशन, ओटीपी और पोर्टल के ना खुलने व नेटवर्क की समस्या किसानों के जी का जंजाल बनी है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सुमित छिक्कारा, सुरेंद्र सिवाच, राम किशन, तेजबीर सिंह, सतबीर सिंह बल्हारा, सुरेंद्र, नीरज सिलाना, ओमप्रकाश, ओमप्रकाश कादियान, सुनील, पवन, सतपाल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

भैंसों को नहलाते समय करंट की चपेट में आने से पशुपालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल परिसर में उपस्थित परिजन।

क्षेत्र के गांव सिलानी केशो में भैंसों को नहलाते समय करंट की चपेट में आने के कारण पशुपालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 42 वर्षीय सतबीर पुत्र राजेंद्र सिंह के तौर पर हुई है। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल परिसर में उपस्थित परिजनों ने बताया कि सतबीर खेतीबाड़ी व पशुपालन के साथ-साथ पहलवानी का भी शौक रखता था। वह शनिवार की दोपहर करीब दो बजे जब पानी की मोटर चलाकर भैंसों को नहला रहा था इसी दौरान करंट की चपेट में आ गया। परिजनों को जब पता चला तो वे सतबीर को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

सीएम के समक्ष नंबरदारों की समस्याएं उठाएंगे विधायक

- प्रधान शतीश नंबरदार की अगुवाई में विधायक राजेश जून को सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। बैठक में नंबरदारों की समस्याएं सुनते विधायक राजेश जून।

हरियाणा नंबरदार एसोसिएशन की तहसील बहादुरगढ़ के नंबरदारों की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रधान शतीश नंबरदार के कार्यालय में हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक राजेश जून का नंबरदारों ने स्वागत किया और पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। प्रधान शतीश नंबरदार व अन्य नंबरदारों ने विधायक को उनकी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और एक विस्तृत मांग पत्र भी सौंपा।

बैठक में नंबरदारों ने विधायक राजेश जून को बताया कि उनकी कई मांगें लंबे समय से सरकार के पास लंबित हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिल रहा है, जिससे उनमें निराशा का माहौल बन गया है। प्रधान शतीश नंबरदार की अगुवाई में नंबरदारों ने विधायक राजेश जून के समक्ष अपनी मांगों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने 23 नवंबर 2021 के सरकारी पत्र द्वारा बंद की गई नए नंबरदारों की नियुक्ति प्रक्रिया को तुरंत दोबारा शुरू करने, सरबराह नंबरदार की नियुक्ति प्रक्रिया जल्द बहाल करने, वर्तमान में मिल रहे 3 हजार रुपए मानदेय को बढ़ाकर 20 हजार रुपए करने की मांग की। विधायक राजेश जून ने नंबरदारों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे उनकी मांगों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलकर प्रमुखता से उठाएंगे और समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में हुक्म सिंह नंबरदार, जयभगवान, धर्म सिंह, सुरेंद्र, धारा सिंह, प्रदीप डाबोदा, सुरेंद्र निलौठी, रणबीर छारा, नरेश छारा, रमेश खेड़ी जसौर, जसवंत सिंह, सुनील कुमार, ऋषिलाल कुलासी, जयनारायण कुलासी, हवा सिंह भापडोदा, कुलदीप कानोंदा, जोगेंद्र जसौरखेड़ी, राज सिंह कानोंदा, राजेंद्र जसौरखेड़ी, अश्वनी दुल्हेड़ा, तारीफ, रामफल दुल्हेड़ा, प्रवीन, भरत सिंह, फूल कुमार सांखोल, सुखबीर नया गांव, विजेंद्र भापडोदा, रामअवतार सिद्दीपुर, जयपाल डाबोदा खुर्द, रणधीर सिंह, जय सिंह, राजेश आसौदा, विजेंद्र आसौदा, दलेल डाबोदा खुर्द, शक्ति सिंह, दिलबाग खैरपुर, सतबीर सिद्दीपुर, राज धनखड़, जय सिंह जाखोदा, उमेद डाबोदा कलां, राजेश मांडोठी, अमित सोलधा, इंद्र सिंह कसार, रामनिवास बामडोली, सुरेंद्र जाखोदा, करतार नया गांव, विशांत बराही, विक्रांत बराही आदि रहे।

टैलेंट हंट में तेज गेंदबाजों को मिलेगा मौका

बहादुरगढ़। हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से उभरते तेज गेंदबाजों के लिए टैलेंट हंट का आयोजन किया जा रहा है। यह तीन दिवसीय ट्रायल प्रक्रिया 19 अप्रैल से शुरू होगी। केवल पुरुष खिलाड़ी इसमें भाग ले सकेंगे। झज्जर क्रिकेट एसोसिएशन के डायरेक्टर देवेन राठी के अनुसार, ट्रायल तीन जोन में होंगे। आगामी 19 अप्रैल को रोहतक जोन में रोहतक, भिवानी, चरखी दादरी, हिसार, हांसी, फतेहाबाद, सिरसा, सोनीपत व महेंद्रगढ़ जिलों के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। फिर 20 अप्रैल को करनाल जोन में करनाल, पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद व पानीपत के खिलाड़ियों के लिए ट्रायल होंगे। वहीं 21 अप्रैल को गुरुग्राम जोन में गुरुग्राम, फरीदाबाद, झज्जर, रेवाड़ी, पलवल व मेवात जिलों के खिलाड़ी शामिल हो सकेंगे। खिलाड़ियों के लिए आयु सीमा 15 से 22 वर्ष निर्धारित की गई है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

पंजाब से निकलकर कई राज्यों में फैला नेटवर्क, किसी को भनक तक नहीं लगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

- शिशु तस्करी व खरीद-बेच के मामले में अब तक हो चुके हैं 11 आरोपी गिरफ्तार
- अभी तक 60 से अधिक बच्चों को बेचने की बात आई सामने

नवजात शिशुओं की तस्करी व बेचने-खरीद का मामला न केवल गैर कानूनी बल्कि मानवता को भी झकझोरने वाला है। पुलिस अधिकारी अब तक 60 से अधिक बच्चों की खरीद फरोख्त सामने आने की बात कह रहे हैं और जांच के दौरान यह आंकड़ा इससे भी कहीं ज्यादा बढ़ने की संभावना है। हैरानभरी बात ये कि पंजाब से शुरू हुआ नेटवर्क देश के कई राज्यों में फैल गया और किसी को भनक तक नहीं लगी। अब जब गिरोह पर शिंकजा कसा जा रहा है तो दिनोंदिन आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ नई परतें निकल रही हैं। फिलहाल पुलिस को इस केस में पंजाब का जसप्रीत हाथ लगा है। आरोपी जसप्रीत गिरोह के सरगना का साथी है और चर्चा है कि काफी समय से उसके साथ लिप्त रहा है। लिहाजा सरगना लाडी के कच्चे चिट्ठों के बारे में इससे पुलिस को अहम सुराग मिल सकते हैं। गिरोह और बच्चों के कुल आंकड़ों की भी कहीं हद तक स्पष्ट जानकारियां मिलने की संभावना है। पांच दिन के रिमांड पर लिए गए लाडी से विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ चल रही है और पुलिस इसकी निशानदेही पर पंजाब व अन्य ठिकानों पर दबिश देगी।

गरीब दंपतियों को करते थे टारगेट

पुलिस की कई टीमें पंजाब व अन्य जगहों पर लगातार दबिश दे रही हैं। अभी तक इस केस में कुल 11 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। ये निश्चित है कि गिरफ्तारियों का आंकड़ा और बढ़ेगा। सरगना लाडी के शिंकजे में आने के बाद ही गिरोह के नेटवर्क, बच्चों की संख्या की स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट हो सकेगी। यह मामला न केवल अपराध है बल्कि मानवता को भी शर्मसार कर रहा है। संतान बेचने के लिए गरीब दंपतियों को ही टारगेट किया गया है। लोगों के जहन में भी यही चल रहा है कि आखिर आखिकर कोई नन्ही जानों का व्यापार कैसे कर सकता है और खुद मां, बाप अपनी संतान को महज पैसों के लिए कैसे किसी को बेच सकते हैं।

पांच दिन से लापता अधेड़ का शव पानी की माइनर से मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के महावीर पार्क से लापता एक व्यक्ति का शव पांच दिन बाद हशविप्रा जलघर को पानी उपलब्ध कराने वाली माइनर से बरामद हुआ है। पांव फिसलने से माइनर में गिरकर मौत की आशंका जताई जा रही है। असल पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो पाएगी। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने शव नागरिक अस्पताल में रखवा कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान करीब 60 वर्षीय रवींद्र के रूप में हुई है। रवींद्र महावीर पार्क के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार, छह अप्रैल को वह घर से निकले थे लेकिन वापस नहीं आए। इसके बाद परिजनों ने तलाश शुरू की। नहीं मिले तो पुलिस को सूचना दी। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू की। परिजन और पुलिस अपने स्तर पर तलाश में जुटे थे। इसी बीच शनिवार की दोपहर को छोटूराम पार्क के पीछे से गुजर रही एचएसवीपी के जलघर को पेयजल उपलब्ध कराने वाली माइनर में उनका शव बरामद हुआ।

दरअसल, यहां से गुजर रही एक महिला की नजर शव पर पड़ी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर परिजन और महावीर पार्क के लोग मौके पर पहुंचे तो कपड़े आदि के आधार पर शिनाख्त कर ली गई। शव कई दिन पुराना प्रतीत होता है। मामले में सामने आया है कि छह की शाम को रवींद्र सीसीटीवी में नहर के साथ जाते दिखाई दिए थे।

थार की टक्कर के बाद बवाल: पीछा कर युवक को पीटा, गाड़ी तोड़ी

बहादुरगढ़। शहर में शनिवार देर शाम बड़ा हंगामा हो गया। यहां टक्कर के बाद कुछ युवकों ने पीछा कर थार सवार युवक को पीटा और गाड़ी बुरी तरह से तोड़ दी। पुलिस मामले में जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, एक थार गाड़ी झज्जर रोड से गुजर रही थी, तभी उसकी साइड किसी अन्य वाहन से टकरा गई। इस पर विवाद की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि थार चालक गाड़ी को कबाड़ी मार्केट की ओर मोड़कर वहां से निकलने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान बाइक सवार कुछ युवकों ने उसका पीछा शुरू कर दिया। मेन बाजार के पास खुद को घिरता देख चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन गाड़ी में मौजूद दूसरा युवक पकड़ में आ गया। गुस्साए युवकों ने उसे पकड़कर जमकर पीटा और इसके बाद थार गाड़ी में तोड़फोड़ कर उसे बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के दौरान मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस गाड़ी और एक युवक को अपने साथ थाने ले गई है। चर्चा है कि थार गाड़ी ने बाजार क्षेत्र में अन्य कई वाहनों को भी टक्कर मारी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। गलती किसकी थी और विवाद की असल वजह क्या रही, इसका खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा।

मंडियों में किसानों को सुविधाएं दे सरकार: भुक्कल

बारिश से खराब फसलों का मुआवजा मांगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। अनाज मंडी में गेहूं खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लेते विधायक।

शनिवार दोपहर बाद स्थानीय विधायक एवं पूर्व शिक्षामंत्री गीता भुक्कल ने अनाज मंडी का दौरा करते हुए खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने किसानों और आढ़तियों की समस्याओं को सुना और उनकी आवाज को सीएम तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। बाद में मीडिया से रूबरू होते हुए गीता भुक्कल ने कहा कि बेमौसमी बरसात के कारण किसानों का बहुत नुकसान हुआ है। खरीद प्रक्रिया के नए नियमों के कारण भी बहुत परेशान है। किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए परेशानी हो रही है। लेकिन सरकार इसकी तरफ ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि यह सरकार केवल इवेंट मैनेजमैंट सरकार है। किसानों के हितों से कोई लेना देना नहीं है। पोर्टल के माध्यम से किसानों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों की आवाज बनकर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने सरकार से बरसात के कारण खराब हुई फसलों के जल्द मुआवजा देने और किसानों को अनाज मंडियों में सुविधाएं देने की मांग की।

धीरे-धीरे बढ़ रहा तापमान

बहादुरगढ़। मौसम का मिजाज बदल गया है और अब तापमान ने धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ ली है। शनिवार की दोपहर को अधिकतम तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया। आगामी दिनों में तापमान ऐसे ही बढ़ता जाएगा। दरअसल, बीते कुछ दिनों बूंदाबांदी और ठंडी हवा के कारण तापमान नीचे चला गया था। आठ अप्रैल को तो अधिकतम तापमान 27 व न्यूनतम 16 पर पहुंच गया था लेकिन इसके बाद से लगातार तेज धूप खिल रही है। जिसका असर तापमान पर देखने को मिला। शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री पर पहुंच गया। दोपहर को तेज धूप खिली। हालांकि बीच बीच में हल्के बादल भी छाए। फिलहाल सुबह और रात के वक्त मौसम नरम बना हुआ है। अधिक गर्मी महसूस नहीं हो रही। तेज धूप खिलने से उन किसानों को थोड़ी राहत मिली है, जिनकी फसल में बरसात के कारण नमी आ गई थी।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

विशेषः विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में हैः पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), रचनाकारः जमुना बीनी, मूल्यः 250 रुपए, प्रकाशकः राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

{ पर्यटन स्थल / समीर चौधरी }

वैसे तो समुद्र तट का नैसर्गिक नजारा हर नेचर लवर को आकर्षक लगता ही है। लेकिन दुनिया के कुछ समुद्र तट इतने विशाल-लाजवाब हैं कि दूर-दूर से पर्यटक इन्हें निहारने आते हैं। शांत, खुले तट से लेकर स्थानीय जीवन से भरे हुए ये समुद्र तटीय क्षेत्र प्रकृति को अपने सबसे प्रभावी रूप में पेश करते हैं। ऐसे ही कुछ खूबसूरत और विशाल सी बीचेज के बारे में आप भी जानिए।

लाजवाब-खूबसूरत नजारा पेश करते
दुनिया के ये समुद्र तट

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में स्थित है, जो 151 किमी. में फैला हुआ है और व्यस्त शहरी जीवन के विपरीत सुकून और शांति भरे लम्हों का यादगार अनुभव प्रदान करता है। इसका तट ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कभी खत्म ही न होगा। तट के बीच-बीच में रेत के टीले, छोटी झीलें और संरक्षित वाटर रिजर्व आपको देखने को मिल जाएंगे। तट का पानी एकदम स्वच्छ है, जिससे तैराकों और मछुआरों के लिए यह पसंदीदा स्थल बन जाता है। हालांकि इसका नाम नाइंटी माइल है लेकिन इसके विपरीत यह 90 मील से अधिक लंबा है। इसके शांतिपूर्ण एकांत में गजब का आकर्षण है। *

प्राया डो कैस्सिनो ब्राजील

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के दक्षिणी तट पर प्राया डो कैस्सिनो, दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, जो लगभग 254 किमी. तक फैला हुआ है। इसकी प्रभावी लंबाई रिओ ग्रांडे बंदरगाह से शुरू होकर उरुग्वे की सीमा तक जाती है। यह क्षेत्र अपने दूर तक फैले रेत, समुद्र के किनारे जीवंत शहरों और अकसर समुद्र के किनारे धूप सेंकते सी लायंस की मौजूदगी के लिए विख्यात है। यह सी बीच, स्थानीय लोगों की पसंदीदा जगह है, जहां लोग लांग ड्राइव, तटीय फिशिंग और ठंडी हवा में वॉक करना खूब पसंद करते हैं। *

पद्रे सी आईलैंड बीच अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में टेक्सास के तट पर पद्रे द्वीप है, जोकि संसार का सबसे लंबा बैरियर द्वीप है। यह वन्यजीवों का अभयारण्य है, जिसमें दुर्लभ सी टर्टल और समुद्री पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। पद्रे आइलैंड नेशनल सी-शोर लगभग 112 किमी. लंबा है। इस बीच को नम हवा भरे वातावरण और वन्यजीवों के कारण विशेष रूप से पसंद किया जाता है। पर्यटक अकसर यहां कैंपिंग करने, पक्षियों को देखने और खाड़ी के किनारे वाक के लिए आते हैं। *

कॉक्स बाजार सी बीच बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थित कॉक्स बाजार बीच पर अकसर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि यह संसार के सबसे लंबे प्राकृतिक समुद्र तटों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में इस तट की लंबाई 120 किमी. है। इसके तट पर अनोखी चट्टानें, मुलायम रेत और जीवंत स्थानीय संस्कृति के दर्शन होते हैं, जो फिशिंग और पर्यटन के लिए फेमस हैं। जब दूर इसके क्षितिज में सूरज पानी में डूबता दिखता है, तो पूरा बीच दिल को अनोखा सुकून देने वाले रंगों से चमक उठता है। *

नाइंटी माइल बीच न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट का नाम भी नाइंटी माइल बीच है, लेकिन इसकी लंबाई 88 किमी. है, जो इसके नाम से दो किलोमीटर कम है। अपनी अनोखी सुंदरता से यह पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि अतीत में इसे हॉर्स राइडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अब इसे एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए यूज किया जाता है। यहां मौजूद सरफिंग स्पेस और रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले इसे बहुत आकर्षक बना देते हैं। *

बैंकूवर द्वीप लांग बीच कनाडा

कनाडा के बैंकूवर द्वीप के पश्चिमी तट पर लांग बीच स्थित है। यह सिर्फ 16 किमी. लंबा है, जिससे यह काफी छोटा सी बीच माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के सबसे सुंदर सी बीच में शामिल है। इसके दूर तक फैले समतल रेतीले समुद्र तट सभी को आकर्षित करते हैं। यह बीच कनाडा के संरक्षित राष्ट्रीय पार्क का हिस्सा है। यह बीच कोहरे भरी सागर तटीय सुबह और सरफिंग के लिए विख्यात है। *

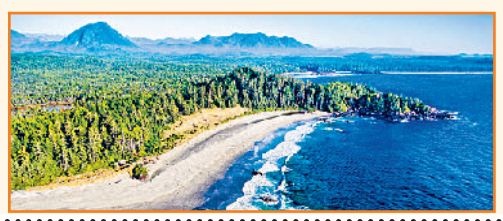

अपनाएं ये गोल्डेन रूल्स संवारें अपना सुनहरा भविष्य

सुनहरे भविष्य के लिए उचित दिशा में सही सही रणनीति के साथ मेहनत करना तो जरूरी है ही। साथ ही अगर कुछ गोल्डेन रूल्स को फॉलो किया जाए तो सफलता पाने की राह आसान हो जाएगी। ऐसी ही कुछ छोटी बातें आप भी अपने जीवन में अपना सकते हैं।

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन }

कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद हमें वे परिणाम नहीं मिल पाते, जो हम चाहते हैं। विश्व प्रसिद्ध विचारकों के अनुभव बताते हैं कि सफलता का असली राज हमारी सोच, कर्मठता और भावनाओं में छिपा होता है। हम अपने भाग्य के स्वयं विधाता हैं। यदि हम अपनी आंतरिक भावनाओं को सुधार लें, तो बाहरी परिस्थितियां अपने आप बदलने लगती हैं।

पहचानें अपनी भावनाएं: हमारी भावनाएं और वाइब्रेशंस हमारे जीवन के अनुभवों को निर्धारित करती हैं। हम जो महसूस करते हैं, वही हम अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर हम सकारात्मक भावनाओं (जैसे खुशी, प्रेम, उत्साह) पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक भावनाएं (जैसे डर, गुस्सा, निराशा) नकारात्मक अनुभवों को आकर्षित करती हैं।

जब तक हम अपने लक्ष्य के प्रति उत्साहित महसूस नहीं करेंगे, तब तक वह हकीकत नहीं बनेगा। बेस्ट सेलर पुस्तक 'एक्सक्यूज मी, योर लाइफ इज वेटिंग' की लेखिका लिन ग्रैबहॉर्न कहती हैं, 'ब्रह्मांड में हर चीज एक ऊर्जा या फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। यदि आप लगातार डर, चिंता या कमी के बारे में महसूस करते हैं, तो आप अनजाने में वैसी ही स्थितियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे होते हैं। अपनी फ्रीक्वेंसी बदलने का मतलब है, अपनी आंतरिक स्थिति को बदलना।'

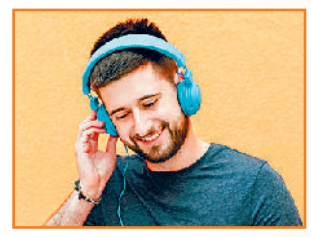

कमी के बजाय संभावनाओं पर ध्यान दें: ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके पास क्या 'नहीं' है। अनुभवी और सफल लोगों का कहना है कि आप जिस चीज पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, वह बढ़ती जाएगी। यदि आप अपनी समस्याओं के बजाय समाधान और संभावनाओं पर ध्यान देंगे, तो आपके जीवन में खुशहाली के द्वार खुलेंगे। इसलिए सकारात्मक भावनाओं को महसूस करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना को अभी से महसूस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप धन चाहते हैं, तो धनी होने की खुशी और आत्मविश्वास को महसूस करें। विश्वास रखें कि ब्रह्मांड आपके इरादों को साकार करने में मदद करेगा।

दबाव में न आएं: जब हम किसी चीज के लिए बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो हम अकसर दबाव महसूस करते हैं। यह दबाव नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसके बजाय, ऐसा महसूस करें जैसे वह लक्ष्य पूरा होने ही वाला है बस, जरा-सी कोशिश और करनी है। यह सहजता ही आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। नेपोलियन हिल कहते हैं, 'इंसान का दिमाग जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास कर सकता है, उसे वह हासिल भी कर सकता है।'

आभार का जादू इस्तेमाल करें: आभार का जादू केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'कॉस्मिक टूल' है। जो आपके पास है, उसके लिए आभारी होना आपकी वाइब्रेशन को तुरंत 'उच्च स्तर' पर ले जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मैस्टर एकहार्ट के अनुसार, 'यदि आप अपने पूरे जीवन में केवल एक ही प्रार्थना करते हैं, 'धन्यवाद' तो यही काफी है।' यह साधारण सा शब्द आपके जीवन में अधिक आशाओं और अच्छी चीजों को आमंत्रित करता है।

'एक्सक्यूज मी' कहना सीखें: अकसर हम दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी मानसिक शांति दांव पर लगा देते हैं। लेकिन उन चीजों या लोगों को 'एक्सक्यूज मी' कह कर आगे बढ़ जाना जरूरी है, जो आपकी ऊर्जा को सोख लेते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो न दें। स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि आपकी वेल बीइंग के लिए जरूरी है।

पहचानें आप क्या चाहते हैं: अपने जीवन में उन चीजों को पहचानें जो आपको पसंद नहीं हैं या जो आपको परेशान करती हैं। इससे आपको स्पष्टता मिलती है कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। साथ ही यह भी तय करें कि आप क्या नहीं चाहते हैं। स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करें कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहते हैं, जैसे खुशी, सफलताएं या बेहतर रिश्ते। जिन चीजों से परेशानी होती है और ऊर्जा नष्ट होती है, उनसे दूर रहना सीख लीजिए।

छोटी-छोटी खुशियों का महत्व समझें: बड़ा बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाना जरूरी नहीं है। कभी-कभी एक अच्छा संगीत सुनना, प्रकृति में टहलना या किसी पुराने मित्र से बात करना भी आपकी मानसिक ऊर्जा को बदल सकता है। यही छोटे चुनाव बड़े परिणामों की आधारशिला रखते हैं। हर छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें, उत्साहित हों। *

{ नदीगाथा / वीना गौतम }

थार मरुस्थल की जीवनरेखा लूनी नदी

अरावली पर्वतमाला में अजमेर के पास स्थित नाग पर्वत से निकलने वाली लूनी नदी, एकमात्र ऐसी नदी है, जो थार के मरुस्थल से होकर बहती है। यह भारत की सबसे बड़ी और अकेली अंतःस्थलीय (इनलैंड) नदी है यानी यह नदी समुद्र तक नहीं पहुंचती बल्कि कच्छ के रण में ही विलीन हो जाती है। इसे थार के मरुस्थल की जीवनरेखा कहते हैं, जो भले सीमित जल संसाधन की मालिक हो, लेकिन इसी की बदौलत थार मरुस्थल में जैव विविधता मौजूद है यानी लूनी नदी रेगिस्तान में बहने वाली ऐसी नदी है, जिसके आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद संवेदनशील और अनूठा है।

नदी की विशिष्टताएं: लूनी इस नदी की लंबाई कुल 495 किलोमीटर है और अपनी प्रकृति के हिसाब से ये मौसमी नदी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात में कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी नदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस नदी का शुरुआती सिरा मीठे पानी का और अंतिम सिरा खारे पानी का है। इस मामले में शायद यह दुनिया की ऐसी खास नदी है, जो एक साथ मीठी और खारी दोनों है। अंतःस्थलीय लूनी नदी को अजमेर के पास सागरमती कहा जाता है। करीब 150 किलोमीटर बहने के बाद इसे लवणी या लूणी कहा जाने लगता है। यह पूरी तरह से वर्षा आधारित यानी (रेन फेड) नदी है। इसके बहाव का मुख्य भाग राजस्थान में है और अंतिम भाग गुजरात में है।

मानसून आधारित नदी: मौसमी नदी लूनी, दक्षिण-पश्चिम मानसून पर आधारित है। इसका प्रवाह जुलाई से सितंबर के बीच रहता है, जिसमें शुरू में तेज बहाव होता है, यहां तक कि कई जगहों में यह बाढ़ का कारण भी बनती है। लूनी नदी की खासियतों में एक यह भी है कि यह नदी पूरी तरह से वर्षा से प्रभावित नदी है। अगर जरा भी बारिश अनियमित होती है, तो यह भी अनियमित हो जाती है।

कुछ हिस्सा है खारा: निचले छोर यानी जालोर से कच्छ के बीच इस नदी का पानी खारा हो जाता है। क्योंकि यहां यह रेतीले मैदानों और दलदली क्षेत्र में होकर गुजरती है। भले यह गंगा और यमुना जैसी सांस्कृतिक और सभ्यतामूलक नदी धारा के रूप में न पहचानी जाती हो, लेकिन इसके किनारे भी सभ्यता के कुछ विशेष रूप जन्मे हैं और कुछ राजस्थानी शहर भी इसके किनारे स्थित हैं- जैसे अजमेर, पाली, जोधपुर। *

{ बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश }

बॉलीवुड फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स यानी खलनायकों को भले ही हीरो जैसा स्टारडम नहीं मिलता लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी भी मायने में नायकों से कम नहीं होती है। कुछ एक्टर्स तो आज भी याद किए जाते हैं। ऐसे ही कुछ बेहतरीन खलनायकों पर एक नजर।

नायकों से कम पॉपुलर नहीं बॉलीवुड के ये खलनायक

प्राण | अमरीश पुरी | अमजद खान | प्रेम चोपड़ा

अपने शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे खलनायक यानी विलेन हुए हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। दर्शकों को सांस रोककर 'अगले पल क्या होगा?' सोचने को मजबूर कर दिया, इन्हें खौफ का पर्याय माना जाने लगा। 'प्रेम नाम है मेरा-प्रेम चोपड़ा।', 'अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे?', 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है।', 'मोगैंबो खुश हुआ!' हिंदी फिल्मों के खलनायकों द्वारा बोले गए ऐसे कई संवाद आज भी जीवंत बने हुए हैं।

ये एक्टर हुए सर्वाधिक चर्चित: बात जब हिंदी फिल्मों के खलनायकों की होती है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में उभरते हैं, उनमें शामिल हैं-के.एन. सिंह, कन्हैया लाल, प्राण, अजीत, प्रेमनाथ, मदन पुरी, अमजद खान, जीवन, डैनी डेंजोंगपा, कुलभूषण खरबंदा, अमरीश पुरी, मुकेश तिवारी, कृष्ण धवन, प्रेम चोपड़ा, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, शक्ति कपूर, कादर खान, रजा मुराद, परेश रावल, सदाशिव अमरापुरकर, किरण कुमार। एक बात यह भी है कि संजीव कुमार से लेकर कबीर बेदी तक और शाहरुख खान, ओम पुरी, मोहनीश बहल, अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान, संजय दत्त, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, रणवीर सिंह, अनुपम खेर जैसे अभिनेताओं ने भी कम लेकिन विलेन के शानदार रोल निभाए हैं।

यादगार खलनायकों में शामिल गब्बर सिंह: बॉलीवुड में अब तक निभाए गए खलनायक के सबसे प्रभावशाली और यादगार किरदारों में 1975 में आई फिल्म 'शोले' का गब्बर सिंह शामिल है। जिसे पर्दे पर जीवंत किया था अभिनेता अमजद खान ने। पूरे फिल्म सिनेरियो पर नजर दौड़ाएं तो अमजद खान, सिर्फ गब्बर के रोल के कारण अपने पूर्व, समकालीन और बाद के फिल्मी खलनायकों से काफी ऊपर हैं। 'जो डर गया समझो मर गया', 'कितने आदमी थे', 'ये हाथ हमको दे दे ठाकुर', 'तेरा क्या होगा कालिया', फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का एक-एक संवाद खूब पॉपुलर हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

अनुपम खेर

कुलभूषण खरबंदा

'शान' का क्रूर विलेन शाकाल: 'शोले' के बाद की कई फिल्मों में गब्बर सिंह की तरह ही फिल्म के विलेन को खतरनाक और प्रभावशाली ढंग से दिखाने का प्रयास किया गया। 1980 में आई 'शान' में शाकाल का रोल प्ले किया था कुलभूषण खरबंदा ने। 'शाकाल के हाथ में जितने पत्ते होते हैं, उतने ही पत्ते उसकी आस्तीन में होते हैं', 'आदमी दुनिया में हर काम कभी न कभी पहली बार करता ही है', जैसे डायलॉग्स उन दिनों खूब लोकप्रिय हुए थे।

प्रेम चोपड़ा का अलग अंदाज: 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं।' प्रेम चोपड़ा का वह संवाद, जिसे उन्होंने 1983 में 'सौतन' फिल्म में बोला था, उनकी पहचान बन गया। प्रेम चोपड़ा तो अपने रियल नाम से भी फिल्मों में फेमस हुए। 1973 की 'बॉबी' में जब वह कहते हैं, 'प्रेम नाम है मेरा', तो सिनेमा हाल में बैठे हुए दर्शक समझ जाते कि अब नायक-नायिका के साथ कुछ गड़बड़ होने वाली है।

'कर्मा' का इंटेंस विलेन डॉक्टर डैंग: 1986 की फिल्म 'कर्मा' में अनुपम खेर ने डॉक्टर डैंग की यादगार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। फिल्म के एक दृश्य में दिलीप कुमार से थप्पड़ खाने के बाद डॉक्टर डैंग का यह डायलॉग, 'इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर।' आज भी दर्शक नहीं भूले हैं। इसके बाद उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की वह डॉक्टर डैंग को दर्शकों के बीच चर्चित कर गया। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार और उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

शक्ति कपूर

रंजीत

कोई नहीं अमरीश पुरी जैसा: हिंदी फिल्मों में कई खलनायक ऐसे हुए हैं, जो पर्दे पर जब तेवर दिखाते हैं तो सामने वाले हीरो पर पूरी तरह हावी हो जाते हैं। ऐसे ही विलेन में अमरीश पुरी भी शामिल हैं। अमरीश पुरी ने 'मिस्टर इंडिया' और 'लोहा' में ऐसे अपना रोल निभाया कि पर्दे पर उनके आते ही दर्शक सीट से उठते ही नहीं थे। दोनों फिल्मों में एक दशक का अंतर था। गब्बर के बाद अमरीश पुरी ही ऐसे खलनायक रहे हैं, जिनके संवाद बच्चों को भी याद हैं। 'मिस्टर इंडिया' में उनके बोले संवाद 'मोगैंबो खुश हुआ' को आज भी बच्चे बोलते रहते हैं।

इनकी खलनायकी ने कायम की मिसाल: प्राण ने भी अपनी खलनायिकी के अंदाज से बड़े-बड़े नायकों को पर्दे पर टक्कर दी। उनकी बेहतरीन खलनायिकी को सामने लाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। प्राण की तरह ही मदनपुरी और प्रेमनाथ भी खलनायिकी करने में उस्ताद थे। प्रेमनाथ का 'पराया धन' तथा 'जॉनी मेरा नाम' में विलेन का रंग बहुत चमकदार रहा। इनके अलावा शक्ति कपूर, किरण कुमार, कादर खान, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, परेश रावल और भी कई ऐसे फिल्मी विलेन हुए हैं, जिन्हें नायकों की तरह ही पहचाना जाता है। 'चाइना गेट' में डाकू जगीरा का रोल करने वाले मुकेश तिवारी और 'राम तेरी गंगा मैली' के माणिक लाल उर्फ कृष्ण धवन को भी दर्शक याद करते हैं। *

आज युवाओं के लिए सनग्लासेज एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो उन्हें धूप से बचाने के साथ ही उनकी पर्सनालिटी को अपग्रेड भी करती है। यह डिजिटल-रियल दोनों दुनिया में यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को समर स्वैग देती है।

अट्रैक्टिव सनग्लासेज बढ़ा दे यंगस्टर्स का समर स्वैग

{ सीजनल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा }

गर्मी शुरू होते ही सिर्फ तापमान नहीं बढ़ता बल्कि युवाओं का फैशन मीटर भी हाई हो जाता है। कॉलेज कैंपस, कैफे, मॉल, ट्रैवल स्पॉट, हर जगह एक खास तरह की स्टाइल एनर्जी देखने को मिलती है। उनके इस समूचे 'समर स्वैग' को किसी एक एक्सेसरीज के जरिए व्यक्त करना हो, तो वो है-सनग्लासेज।

सनग्लासेज या धूप का चश्मा सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से बचने भर का जरिया नहीं रह गया है बल्कि अब यह एक ऐसी पहचान बन चुका है, जो यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को गर्मियों का खास लुक देता है।

एटीट्यूड का हिस्सा: एक समय तक सनग्लासेज को गर्मी के मौसम की एक जरूरत माना जाता था, आंखों को धूप से बचाने के लिए लेकिन अब यह एक एटीट्यूड एक्सेसरीज बन चुका है। जैसे ही कोई सनग्लास पहनता है, उसकी बॉडी लैंग्वेज बदल जाती है। थोड़ा आत्मविश्वास, थोड़ा रहस्य और थोड़ा 'मैं सबसे अलग हूं' का भाव उसकी पर्सनालिटी में आ जाता है। इंस्टाग्राम रील से लेकर कॉलेज फेस्ट तक अगर किसी एक एक्सेसरीज पर सबसे ज्यादा जोर दिखता है, तो वह है सनग्लास। यही कारण है कि सनग्लासेस को यंगस्टर्स के एटीट्यूड का सबसे खास हिस्सा माना जाता है।

सोशल मीडिया का बड़ा रोल: आज के दौर का फैशन सिर्फ सड़क या कॉलेज में दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि सच बात तो यह है कि वह बाकी किसी भी जगहों से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए होता है। गर्मी के दौरान सनग्लासेज, डिजिटल फैशन का सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट बन जाता है। चेहरे पर सनग्लास लगी सेल्फी ज्यादा शार्प होती है, इसमें आंखों का एक्सप्रेशन कंट्रोल किया जा सकता है। सनग्लास की वजह से एक कूल और कंट्रोल्ड इमेज बनती है। यही कारण है कि युवाओं के सनग्लास सिर्फ पहनने की चीज नहीं बल्कि कंटेंट क्रिएशन का टूल बन चुका है।

फैशन+परफेक्शन=परफेक्ट समर कॉम्बो: गर्मी के मौसम में जहां एक तरफ स्टाइल जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ आसमान से बरसती आग से बचना भी जरूरी है। इसलिए सनग्लासेज इस मौसम के लिए सबसे परफेक्ट कॉम्बो एक्सेसरीज माने जाते हैं। सनग्लासेज इस बैलेंस को सचमुच परफेक्ट बनाते हैं, क्योंकि इनसे- तेज धूप से आंखों की सुरक्षा संभव होती है। पसीने और थकान में भी फ्रेश लुक बनी रहती है। ट्रैवल के दौरान आरामदायक विजन मिलता है यानी यह एक्सेसरीज सिर्फ दिखने के लिए नहीं बल्कि जीने के तरीके को भी आसानी से बदल देती है।

कई वैरायटीज में उपलब्ध: सनग्लासेस आज एक्सेसरीज में बदल चुके हैं। अब ये टिंटेड लैंस यानी ब्लू, यलो और पिंक कलर में भी उपलब्ध हैं। आज बाजार में सनग्लासेज बोल्ड और ड्रामेटिक दिखने वाले ओवरसाइज्ड फ्रेम में भी मौजूद हैं। सनग्लासेज वो एक्सेसरीज हैं, जिसे युवा सबसे ज्यादा एक्सप्लोर करते हैं, क्योंकि इनके जरिए अब हर चेहरा अपना एक अलग स्टाइल कैरी कर सकता है। *